भारत सरकार
आयुष मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 919
29 नवम्बर, 2024 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

आयुष हेतु जनजातीय स्वास्थ्य देखभाल कार्यक्रम

919. श्री राजकुमार रोत:

क्या आयुष मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) राजस्थान के अनुसूचित क्षेत्र में आयुष हेतु जनजातीय स्वास्थ्य देखभाल कार्यक्रम की वर्तमान स्थिति क्या है;
(ख) उक्त कार्यक्रम के अंतर्गत राजस्थान के अनुसूचित क्षेत्र/जिलों में अब तक आवंटित और उपयोग की गई निधि का जिला-वार और स्थान-वार ब्यौरा क्या है;
(ग) क्या सरकार का विचार उक्त राज्य के अनुसूचित क्षेत्रों में जनजातीय स्वास्थ्य देखभाल को और अधिक प्रोत्साहन देने का है; और
(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा इसे कब तक शुरू किये जाने की संभावना है?

उत्तर
आयुष मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(श्री प्रतापराव जाधव)

(क): आयुष मंत्रालय अपने स्वायत्त निकाय केंद्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद (सीसीआरएएस) के माध्यम से जनजातीय उप-योजना (टीएसपी) के तहत जनजातीय स्वास्थ्य देखभाल अनुसंधान कार्यक्रम (टीएचसीआरपी) को क्रियान्वित कर रहा है। राजस्थान में, टीएचसीआरपी को क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान (आरएआरआई), जयपुर के माध्यम से क्रियान्वित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम के तहत वर्तमान स्थिति इस प्रकार है:

(i) इस कार्यक्रम के अंतर्गत कुल 30502 जनजातीय आबादी को शामिल किया गया है।
(ii) आयुर्वेद के माध्यम से 19072 लाभार्थियों को उनके स्थान पर स्वास्थ्य देखभाल प्रदान की जाती है।
(iii) रक्त जांच (एचबी ग्राम% और रक्त शर्करा परीक्षण) की सुविधा भी उनके क्षेत्र में प्रदान की गई है।
(iv) आवश्यकता और उपलब्धता के अनुसार अन्य रक्त जांच सुविधाएं प्रदान की जाती हैं।
(v) जागरूकता व्याख्यान और सूचना शिक्षा और संचार (आईईसी) सामग्री के वितरण के माध्यम से स्वास्थ्य, स्वच्छता, पोषण और आयुर्वेद आधारित पहल के बारे में जागरूकता प्रदान की जाती है।

इसके अलावा, आयुष मंत्रालय अपने स्वायत्त निकाय राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान (एनआईए), जयपुर के माध्यम से जनजातीय उप-योजना के तहत जनजातीय स्वास्थ्य सेवा कार्यक्रम भी कार्यान्वित कर रहा है। यह संस्थान राजस्थान के 08 जिलों के जनजातीय क्षेत्रों में चिकित्सा शिविर, चिकित्सा जांच और निःशुल्क औषधि वितरण का आयोजन करता है।

(ख): सीसीआरएएस द्वारा टीएचसीआरपी के तहत राजस्थान में वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए आवंटित निधि 84.09 लाख रुपये है, जिसमें से अभी तक 38.00 लाख रुपए का उपयोग किया जा चुका है। इसी प्रकार, एनआईए को वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए 0.50 लाख रुपए आवंटित किए गए तथा अक्टूबर 2024 तक 0.26 लाख रुपए की निधि का उपयोग किया जा चुका है।

(ग) और (घ): चूंकि जन स्वास्थ्य राज्य का विषय है, इसलिए राज्य सरकार अनुसूचित क्षेत्रों में जनजातीय स्वास्थ्य सेवा को बढ़ावा देने के लिए योजनाएं प्रस्तावित कर सकती है।

*****